राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 285 | जौनपुर | बुधवार, 04 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने किया बिजली विभाग के कार्यालय व बर्जर पेंट्स यूनिट का निरीक्षण

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन श्री मनोज कुमार सिंह ने आज संडीला में विद्युत वितरण खण्ड कार्यालय संडीला व बर्जर पेंट्स यूनिट का निरीक्षण किया। सबसे पहले वह संडीला के बिजली विभाग के कार्यालय पहुँचे। यहाँ जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया तथा उन्हें सलामी दी गयी। समीक्षा के दौरान उन्होंने विभिन्न सेक्टरों को विद्युत आपूर्ति आदि की जानकारी ली। यहाँ से निकलकर वह सोम तिराहे के पास सांवरिया ग्रुप द्वारा आयोजित भंडारे में हिस्सा लिया। इसके बाद वह बर्जर पेंट की यूनिट पहुँचे। उन्होंने बर्जर के अधिकारियों से उत्पादन प्रक्रिया व कच्चे माल आदि की जानकारी ली।

कानून-व्यवस्था और जनसुनवाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

लखनऊ , (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कानून– व्यवस्था, जनसुनवाई प्रणाली और आगामी पर्व–त्योहारों की तैयारियों को लेकर प्रदेश भर के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनहित सर्वोपरि शासन का मूल मंत्र है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि वे संवाद, सजगता और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि अक्सर छोटे विवाद लापरवाही के चलते बड़ा रूप ले लेते हैं, जिन्हें समय रहते सुलझाया जा सकता है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी विवाद की स्थिति में थाना पुलिस को तहरीर की प्रतीक्षा किए बिना तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए। सीएम योगी ने 5 जून को गंगा दशहरा, 7 जून को बकरीद और 24 जून को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने इन तिथियों को कानून–व्यवस्था के लिहाज से संवेदनशील बताते हुए कहा कि हर जिले में विगत वर्षों की घटनाओं का विश्लेषण किया जाए और अराजक तत्वों पर निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकरीद पर कुर्बानी केवल पूर्व निर्धारित स्थलों पर ही की जाए, प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पूरी तरह वर्जित होनी चाहिए और अपशिष्ट के निस्तारण की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर नमाज की अनुमति न देने के निर्देश दिए गए हैं। धार्मिक स्थलों के आसपास लगातार पुलिस गश्त बनी रहे। गंगा दशहरा के अवसर पर 4 जून को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने और 5 जून को घाटों पर आरती समेत अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिए गए। सीएम योगी ने कहा कि घाटों की साफ–सफाई के साथ स्नान स्थलों की पहचान की जाए और सुरक्षा के दृष्टिकोण से गोताखोर, पीएसी फ्लड यूनिट, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती की जाए। सीएम योगी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) को श्एक पेड़ मां के नामश थीम पर पौधारोपण कराया जाएगा। कार्यक्रम मेंसांसद, विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

यूपीए सरकार ने नौ सर्जिकल स्ट्राइक कीं, लेकिन उनका राजनीतिकरण नहीं किया : सुरजेवाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा मोदी सरकार की सर्जिकल स्ट्राइक की प्रशंसा करने वाली टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के बीच, कांग्रेस ने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व ने हमेशा सशस्त्र बलों को आतंकी शिविरों या आतंकवादियों को बेअसर करने की स्वतंत्रता दी है। साथ ही कहा कि इन शक्तियों का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान कम से कम नौ ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक का दस्तावेजीकरण किया गया है। हालांकि, कांग्रेस का मानना है कि सत्ताधारी पार्टी या किसी और के लिए राजनीतिक लाभ के साधन के रूप में सशस्त्र बलों का उपयोग करना अपवित्र है। हाल ही में पनामा में प्रवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में थरूर ने विवाद को हवा दी। 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रशंसा करते

हुए उन्होंने कहा कि यह भारत के सैन्य रुख में बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "2016 के उरी हमले के बाद पहली बार भारत ने एलओसी पार करके आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यहां तक ध्किक कारगिल युद्ध के दौरान भी हमने एलओसी पार नहीं की थी।" थरूर की टिप्पणियों पर उनकी पार्टी के सहयोगियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, लेकिन सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी पिछले दो दशकों में कई सर्जिकल स्ट्राइक पर सच्चाई सामने लाने के लिए सामने आई है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी तरह से समझौता किए बिना, हमारे बलों की परिचालन स्वतंत्रता और सीमा पार संचालन को स्पष्ट करने का मामला है। कांग्रेस सरकारों द्वारा किए गए सर्जिकल स्ट्राइक को सूचीबद्ध करते हुए, सुरजेवाला ने कहा कि पिछले दो दशकों में अलग–अलग समय पर सटीकता और प्रभावी पैठ के साथ रणनीतिक सर्जिकल स्ट्राइक करना सशस्त्र बलों के धैर्य और दृढ़ संकल्प की विशेषता रही है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा सीएमओ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, राज नेहरू को मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ़,, (एजेंसी)। हरियाणा के प्रशासनिक ढांचे में सोमवार को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अगुवाई में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में अहम प्रशासनिक पुनर्गठन किया गया। इस बदलाव का सबसे प्रमुख चेहरा राज नेहरू बनकर उभरे, जिन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में नए विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है। अब मुख्यमंत्री कार्यालय में दो ओएसडी कार्यरत होंगे। राज नेहरू को फ्यूचर डिपार्टमेंट, हायर एजुकेशन और यूथ इम्पावरमेंट तथा आंत्रप्रन्योरशिप जैसे तीन अत्यंत महत्वपूर्ण विभागों का प्रभार सौंपा गया है। राज नेहरू कोई नया नाम नहीं हैं। वह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बेहद करीबी माने जाते हैं। साल 2016 में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए थे। कौशल विकास के क्षेत्र में उनका व्यापक अनुभव रहा है। इस पुनर्गठन में एक और अहम बदलाव हुआ है। चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजेश खुल्लर, जो वर्षों से मुख्यमंत्री कार्यालय में सबसे ताकतवर नौकरशाह माने जाते रहे हैं, उनके अधीन विभागों की संख्या में कटौती की गई है। अब उनके पास पहले के 21 की जगह 16 विभाग ही रहेंगे। खुल्लर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समय से इस पद पर बने हुए हैं और नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपना स्थान बरकरार रखा है। एचसीएस अधिकारी विवेक कालिया को जनसंवाद और सीएम विंडो जैसे जनसंपर्क और शिकायत निवारण से जुड़ेअहम दायित्व सौंपे गए हैं। इसके अलावा, आईएएस अधिकारी अरुण कुमार गुप्ता को 11 विभाग मिले हैं, जिनमें सिविल एविएशन, जेल, ट्रांसपोर्ट, पर्यावरण और मुख्यमंत्री घोषणाओं की क्रियान्वयन इकाई शामिल है। आईएएस साकेत कुमार को नौ विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास जैसे विभाग शामिल हैं। आईएएस यशपाल को आठ विभाग सौंपे गए हैं, जिनमें स्कूल शिक्षा, खेल और पर्यटन शामिल हैं। सुधांशु गौतम को छह विभाग मिले हैं, जबकि राकेश संधु को सीएम विंडो और शिकायत निवारण जैसे जिम्मेदारी वाले कार्य दिए गए हैं।

विधानसभा चुनाव 2027 के लिए सपा बना रही ये बड़ी रणनीति

आगरा, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी की नई कार्यकारिणी में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग के कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ सकती है। 2027 की तैयारियों को देखते हुए कार्यकारिणी में युवाओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है। जिला–महानगर कमेटी, राज्य के कार्यकारिणी पदाधिकारी–सदस्य समेत सभी इकाइयां भंग होने से युवा

कार्यकर्ताओं की उम्मीद बढ़ गई है। समाजवादी पार्टी बीते कुछ सालों से पीडीए का एजेंडा चला रही है। लोकसभा चुनाव में इसका भरपूर फायदा भी मिला। अब सपा की नजर 2027 में होने वाले प्रदेश के चुनाव पर है। ऐसे में सपा मुखिया के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने आगरा की जिला–महानगर, प्रकोष्ठ समेत सभी इकाइयों को भंग कर दिया है। अब नए सिरे से पदाधिकारी तय होंगे। इसमें पीडीए से आने वाले कार्यकर्ताओं की बल्ले–बल्ले हो सकती है। निवर्तमान महानगर अध्यक्ष चौधरी वाजिद निसार का कहना है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए नई कार्यकारिणी बनेंगी। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष ने वर्तमान इकाइयां भंग कर दी हैं। नई टीम में युवाओं के साथ अनुभवी कार्यकर्ताओं को भी तवज्जो मिलने की उम्मीद है।

चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा देंगे

बिहार , (संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के ठीक पहले, लगभग इसी समय चिराग पासवान खूब चर्चा में थे। वैसे, ठीक इसी समय पिछले साल जब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का शपथ होने वाला था तो भी चिराग पासवान चर्चा में थे। अब बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले, चिराग पासवान चर्चा में हैं। 2020 में उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हराने की तैयारी के कारण चर्चा में थे। पिछले साल पहली बार केंद्रीय मंत्री बनने की संभावना के कारण सुर्खियों में थे। अब ठीक एक साल बाद वह बिहार विधानसभा चुनाव में खुद उतरने की बात कहकर चर्चा में हैं। तो, क्या 9 जून 2024 को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में पहली बार मंत्री बनने के एक साल के अंदर उनका मोहभंग हो गया है? क्या वह बिहार के लिए केंद्र की कुर्सी छोड़ेंगे? क्या है नफा–नुकसान का गणित यह भी समझना चाहिए। पिता के जाते ही चिराग बन जाते केंद्रीय मंत्री, मगर. चिराग पासवान सांसद थे, जब अक्टूबर 2020 में उनके पिता रामविलास पासवान का निधन हुआ। रामविलास उस समय केंद्र में मंत्री थे। चिराग पिता की कुर्सी पर बैठ जाते, उनके आवास में ही रह जातेय लेकिन ऐसा नहीं हो सका। क्योंकि, बिहार चुनाव में चिराग पासवान ने एनडीए से अलग राह पकड़ बिहार चुनाव 2020 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के प्रत्याशियों के खिलाफ लोक जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार उतार दिए थे। चुनाव में एनडीए की

सरकार भी बनी और चिराग के कारण नीतीश कुमार की पार्टी संख्या बल में कमजोर भी हुई। लोहा गरम था। मौका देख चाचा पशुपति कुमार पारस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रवेश पा लिया और चिराग देखते रह गए। उन्हें दिल्ली में दशकों से दिवंगत पिता की पहचान रहे सरकारी आवास को छोड़ना पड़ा। वक्त गुजरा। नीतीश के घाव पर भाजपा और चिराग के साथ वक्त ने भी मरहम लगाया। 2024 में लोकसभा चुनाव हुआ तो चिराग पासवान शत प्रतिशत सीटों पर जीत के साथ केंद्र में मंत्री बने। अब वह बिहार चुनाव लड़ने की बात कह रहे तो उतरने और जीतने के बाद उन्हें केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ना पड़ेगा, जो कई नजरिए से नुकसान वाला फैसला होगा। मतलब, उन्हें बहुत कुछ समझ लेना होगा पहले। चलिए, कुछ देर के लिए मान लेते हैं कि बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के तहत चिराग पासवान गृह राज्य की राजनीति में उतरने के लिए बिहार चुनाव में भाग्य आजमाते हैं। जीतकर विधायक भी बन जाते हैं। उनकी ही बात मानकर यह भी मान लेते हैं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री रहेंगे तो उस हिसाब से चिराग पासवान को मंत्री का पद भी दे देते हैं। अब, देखते हैं कि वह कितना नफा–नुकसान में हैं। पहले तो यह ध्यान देने वाली बात होगी कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दूर हो जाएंगे। पीएम मोदी के करीब होना और दूर रहना, कितना नफा–नुकसान वाला है– यह तो सभी समझते हैं। दूसरी बात पावर की, तो केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के रूप में फिलहाल उनका कार्यक्षेत्र पूरा देश है ।

हरिद्वार जमीन घोटाले को लेकर धामी सरकार की बड़ी कार्रवाई

हरिद्वार, (एजेंसी)। भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पुष्कर सिंह धामी सरकार ने मंगलवार को भूमि घोटाले के सिलसिले में हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), उप–विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) और नगर आयुक्त को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह मामला कथित तौर पर 14 करोड़ रुपये की कीमत वाली जमीन के एक टुकड़े को 54 करोड़ रुपये में खरीदने से जुड़ा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी द्वारा जांच

के आदेश के बाद पहली बार सभी वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ निलंबित किया गया। उत्तराखंड प्रशासन के सचिन रणवीर के नेतृत्व में एक जांच के बाद सरकार को एक व्यापक 100–पृष्ठ की रिपोर्ट सौंपी गई, जिसमें दो आईएएस अधिकारियों और एक राज्य सिविल सेवा अधिकारी सहित 12 अधिकारियों को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद यह अभूतपूर्व प्रशासनिक फेरबदल हुआ। मामले को राज्य सतर्कता विभाग को सौंप दिया गया है, जिसे सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मामलों की जांच करने का काम सौंपा गया है। भ्रष्टाचार पर अपनी सरकार की ष्शून्य–सहिष्णुताष नीति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने पर किसी भी अधिकारी को, चाहे वह किसी भी पद का क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा। जांच रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में कृषि दरों पर मूल्यांकन की गई भूमि का टुकड़ा अंततः वाणिज्यिक दरों पर खरीदा गया था – एक ऐसा कदम जिसके लिए एक भूमि पूलिंग समिति के गठन की आवश्यकता थी, जो एक कानूनी आवश्यकता है।

पंजाब सीएम भगवंत मान का ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी का नाम लेकर विवादित बयान

पंजाब, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा के कथित श्घर–घर सिंदूर अभियानश पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी चुनावी लाभ के लिए पवित्र भारतीय परंपराओं का राजनीतिकरण कर रही है। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार करते हुए मान ने कहा कि हम इसमें क्या कर सकते हैं? आप सिंदूर के नाम पर वोट मांग रहे हैं। उन्होंने सिंदूर का मजाक उड़ाया है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता उन खबरों की ओर इशारा कर रहे थे जिनमें कहा गया था कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भाजपा कार्यकर्ता घरों में सिंदूर बांट रहे हैं। हालांकि, भाजपा ने ऐसा कोई अभियान शुरू करने से इनकार किया है। मान ने कहा कि वे कह रहे हैं कि वे हर घर में सिंदूर भेजेंगे। अगर आपके घर सिंदूर भेजा जाता है, तो क्या आप मोदी के नाम का सिंदूर लगाएंगे? क्या श्एक राष्ट्र, एक पतिश आपकी नई योजना है? प्रधानमंत्री पर उनके हमले में आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की तीखी टिप्पणी की याद ताजा हो गई, जिन्होंने कथित अभियान की निंदा करते हुए इसे सस्ता राजनीतिक स्टंट बताया। सिंह ने एक लोकप्रिय हिंदी फिल्म के संवाद पर आधारित एक्स पर पोस्ट किया था, ष्क्या चुटकी सिंदूर का महत्व आप क्या जानते हैं मोदी जी? भारतीय संस्कृति में, महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सम्मान और कल्याण के प्रतीक के रूप में सिंदूर लगाती हैं। यह गर्व, गरिमा और गहरे भावनात्मक

अर्थ को दर्शाता है। लेकिन अब, श्एक राष्ट्र, एक चुनावश और श्एक राष्ट्र, एक नेताश जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाने के बाद, प्रधानमंत्री ने श्एक राष्ट्र, एक पतिश की शुरुआत की है। राज्यसभा सांसद ने सवाल किया कि क्या इस अभियान का मतलब यह है कि देश भर की महिलाओं से प्रतीकात्मक रूप से प्रधानमंत्री मोदी को अपना पति स्वीकार करने के लिए कहा जा रहा है। इस टिप्पणी ने राजनीतिक हलचल पैदा कर दी।

आतंकवाद और उसके समर्थन नेटवर्क पर प्रशासन की चल रही कार्रवाई

जम्मू–कश्मीर, (एजेंसी)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों लश्कर–ए– तैयबा (एलईटी) और हिज्ब– उल–मुजाहिदीन (एचएम) के साथ कथित संलिप्तता के लिए तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया। संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गई यह कार्रवाई राज्य के संस्थानों में आतंकवाद और उसके समर्थन नेटवर्क पर प्रशासन की चल रही कार्रवाई का हिस्सा है। बर्खास्त किए गए तीन कर्मचारी – मलिक इश्फाक नसीर, जम्मू–कश्मीर पुलिस में कांस्टेबलय एजाज अहमद, स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षकय और वसीम अहमद खान, सरकारी मेडिकल

कॉलेज, श्रीनगर में जूनियर असिस्टेंट है। तीनों फिलहाल जेल में हैं। अधिकारियों ने कहा कि तीनों सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ ऑपरेशन में आतंकवादी समूहों की सीधे तौर पर मदद कर रहे थे। 2007 में भर्ती हुए पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर को लश्कर का सक्रिय सहयोगी पाया गया। उसका भाई मलिक आसिफ नसीर पाकिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर का आतंकवादी था, जो 2018 में मारा गया। मलिक ने पुलिस बल में सेवा करते हुए संगठन का समर्थन करना जारी रखा, हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी में मदद की। जम्मू क्षेत्र में हथियारों की तस्करी की 2021 की जांच के दौरान उसकी संलिप्तता सामने आई। मलिक ने कथित तौर पर सीमा पार लश्कर के संचालकों के लिए जीपीएस–निर्देशित हथियारों की आपूर्ति के समन्वय के लिए अपने आधिकारिक पद का इस्तेमाल किया। वह जम्मू–कश्मीर के भीतर सुरक्षित ड्रॉप जोन की पहचान करने और आतंकवादियों को हथियार वितरित करने के लिए भी जिम्मेदार था।2011 में सरकारी स्कूल में शिक्षक के रूप में नियुक्त एजाज अहमद पुंछ में एचएम के साथ मिलकर काम करता पाया गया। नवंबर 2023 में उसके संबंधों का खुलासा हुआ जब उसे और उसके एक सहयोगी को नियमित पुलिस जांच के दौरान पकड़ा गया।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के साथ राहुल गांधी की बैठक, गुटबाजी खत्म करने को लेकर दिया निर्देश

मध्य प्रदेश, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार, 3 जून को पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और 2028 के मध्य प्रदेश चुनावों के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरने के अभियान में हिस्सा लेने के लिए भोपाल पहुंचे। अभियान की शुरुआत से पहले गांधी ने कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक को संबोधित किया और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले एयरपोर्ट पर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी का गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में गांधी ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रभारी महासचिव हरीश चौधरी, एआईसीसी संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल, पटवारी, नाथ, पूर्व सीएम दिग्विजय

सिंह, एमपी विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार और पार्टी के अन्य नेता मौजूद थे। प्रदेश कांग्रेस इकाई ने बाद में एक बयान में कहा, ष्नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज भोपाल के इंदिरा भवन में आयोजित राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक को संबोधित किया और सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, जानकारी यह भी है कि राहुल ने पार्टी नेताओं से गुटबाजी खत्म करने और मिलकर काम करने की अपील की है। साथ ही यह भी कहा है कि कोई भी फैसला ऊपर से नहीं थोपा जाएगा। आप सब मिलकर फैसला करें और अगर कोई बदलाव की जरूरत होगी तो हम करेंगे। बैठक में पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव और पूर्व सांसद सज्जन वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विवेक तन्खा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह और पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष शोभा ओझा शामिल हुए।

संपादकीय

एक और युद्ध

हाल ही में भारतीय चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल अनिल चौहान का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना की पंद्रह फीसदी ऊर्जा भ्रामक सूचनाओं व फर्जी खबरों से जूझने में लगी। यह बयान न केवल चिंताजनक है बल्कि परेशान करने वाला भी है। यूं तो विश्व युद्धों के दौरान भी घातक व भ्रामक सूचनाओं के युद्ध परंपरागत युद्ध के साथ लड़े गए, लेकिन हाल के वर्षों में सूचना क्रांति व डिजिटल युग में यह चुनौती बेहद जटिल हो गई है। हिटलर के प्रचारतंत्र के मुखिया का वह बयान अकसर दोहराया जाता है कि सौ बार एक झूठी खबर को दोहराने से वह सच बन जाती है। इस बार 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी कुछ ऐसा ही देखने में आया। यह हकीकत है कि भारत ने त्वरित व सटीक कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान में बड़े आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए बल्कि पाक वायु सेना को भी भारी क्षति पहुंचायी। वहीं हमने हवाई हमलों की रूसी प्रतिरोधक प्रणाली व स्वदेशी रक्षा कवच से पाक के मिसाइल व ड्रोन हमले विफल कर दिये। इसके बावजूद फर्जी व भ्रामक सूचनाओं के जरिये पाकिस्तानी जनमानस को बताया गया कि जीत पाकिस्तान की हुई है। बाकायदा विजय जुलूस निकाले गए, मिठाइयां बांटी गई। इतना ही नहीं करारी शिकस्त के बावजूद सेना प्रमुख को फील्ड मार्शल बना दिया गया। भ्रामक–फर्जी सूचनाओं का यह सैलाब बाहर व भीतर दोनों तरफ से था। देश की जनता ऊहापोह में रही कि वास्तविकता क्या है। खबरों की तार्किकता के लिये सेना को भी जद्दोजहद करनी पड़ी। बाकायदा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के साथ सेना के अधिकारियों ने तथ्यों की तार्किकता के साथ अपनी बात रखी। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपने मित्रों व दुनिया के अन्य देशों को गलत सूचनाएं देकर बरगलाने का प्रयास किया। इस दिशा में तमाम राजनीतिक दलों के भारतीय सासंदों ने विभिन्न देशों में पहुंचकर भारत के पक्ष को मजबूती से रखा। इसके बाद ही कोलंबिया को पाक के पक्ष में दिए बयान को वापस लेने को बाध्य किया। बहरहाल, अब वह वक्त आ गया है कि परंपरागत युद्ध के साथ–साथ नैरेटिव व सूचना युद्ध की भी तैयारी की जाए। तेज सूचना तंत्र और सोशल मीडिया के दौर में कैसी–कैसी खबरें निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा गढ़ी जाती हैं, ये हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा। एआई की मदद से काल्पनिक कथानक तैयार करके झूठ को सच बनाने की कवायद की गई। दरअसल, आईटी क्रांति ने सूचनाओं के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है। ये काम पाकिस्तान इस दौरान करता रहा है। आधा दर्जन भारतीय फाइटर जेट गिराने के दावे पाक करता रहा तो चीन का सरकारी मीडिया पाकिस्तान के मंसूबों को हवा देता रहा। ये घटनाक्रम हमें सचेत करता है कि आने वाले वक्त में भारत को आक्रामक सूचना युद्ध के मुकाबले को फुलप्रुफ तंत्र विकसित करना पड़ेगा। निस्संदेह, ऐसी भ्रामक सूचनाएं सैन्य अभियानों के मार्ग में तो अवरोध खड़े करती ही हैं, साथ ही देश की जनता का मनोबल भी गिराती हैं। ये एक तरह से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी चुनौती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देश में पाकिस्तान के लिये जासूसी के तमाम मामले प्रकाश में आए। यह भी एक तरह का सूचना युद्ध ही था।

भद्रपुरुषों के खेल में अभद्रता की अनकही गाथाएं

प्रदीप

अप्रैल का महीना मुझे सदा टीएस इलियट की कविता 'द वेस्ट लैंड' की प्रसिद्ध शुरुआती पंक्तियों की याद दिलाता है। तब से ही, जब चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में मेरी कक्षा के अधिकांश छात्र जीवन की जटिलताओं को समझने के लिए जद्दोजहद कर रहे थे, तब यह कविता हमारे लिए दुनिया को समझने की एक ऐसी खिड़की बनी, जो है तो त्रासदीपूर्ण इतिहास से बोझिल किंतु फिर भी एक बेहतर दुनिया में रहने की उम्मीद जगाती है। हम इन पंक्तियों को दोहराते थे 'अप्रैल का

महीना सबसे क्रूर है, जो बंजर भूमि से भी फूलों को उगाता है, स्मृति और इच्छा का मिश्रण करते हुए, वसंत की बारिश के साथ सुस्त जड़ों में हलचल मचाता है।' मानो हमारे लिए यह राष्ट्रगान हो। इस कविता को समझना आसान नहीं था, ठीक वैसे ही जैसे कि हम अपने आसपास के जीवन को देख रहे थे। ढाई दशक बाद अप्रैल के महीने ने और भी बुरा अर्थ प्राप्त कर लिया, जब वर्ष 2000 में, दुनिया को सट्टेबाज–खिलाड़ी गठजोड़ की गहरी जड़ों का पता चला। इस घोटाले ने क्रिकेट की दुनिया को हिलाकर रख दिया, जब दुनिया के कुछ दिग्गज क्रिकेटर मैच फिक्सिंग करते पाए गए थे। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान हैंसी क्रोनिए, भारत के प्रिय मोहम्मद अजहरुद्दीन और कई अन्य स्टार खिलाड़ियों ने सट्टेबाजों से सांठगांठ कर रखी थी, जिससे प्रशंसकों का खेल पर से भरोसा खत्म हो गया।

चूंकि उस समय बतौर एक अंग्रेजी अखघ्बार के रिपोर्टर, इसकी कुछ जटिल परतों को उजागर करने में मेरी भी एक छोटी–सी भूमिका रही थी, इसलिए मुंबई के एक अखबार ने मुझसे 25 साल पहले हुए इस घोटाले की यादें फिर से उधेड़ने को कहा। जब उस दौर के बेहद बेचौन करने वाले इन पलों को पुनः निहारता हूं तो डर की सीमा छू लेने वाली आशंका की वह भावना चौंका देती है, जो मैच फिक्सिंग के बारे में बात चलने पर क्रिकेट प्रशंसकों पर तारी हो जाए। उनके दिमागों में सबसे बड़ा सवाल यह है रू क्या यह अभी भी हो सकता है? फिर इस संदेह का खुद ही जवाब देने की कोशिश करते हैं रू 'निश्चित रूप से नहीं, क्योंकि खिलाड़ी इन दिनों इतना कमाते हैं।' पर यह एक ऐसा जवाब है, जो आगे सवाल खड़ा करता है रू यह 'इतना'३है 'कितना' और मानव के लोभ की सीमाएं क्या हैं और यहां जोड़ना चाहूंगा कि इसकी जरूरत भी क्या है? आज भारत में क्रिकेट एक व्यावसायिक गतिविधि है, जहां यदि कोई खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंच जाए या भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लायक हो जाए, तो वह अपने लिए अमीरी सुनिश्चित कर लेता है। इंडियन प्रीमियर लीग ने खिलाड़ियों की कमाई को आठ अंकों में पहुंचा दिया है, यहां तक कि उन खिलाड़ियों के लिए भी जो देश के लिए कभी नहीं खेले। पैसा बरस रहा है, लेकिन जरा ठहरिए। वर्ष 2013 में भी स्थिति यही थी, फिर भी दिल्ली पुलिस ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत और कुछ अन्य के खिलाफ स्पॉट फिक्सिंग के लिए सट्टेबाजों से पैसे लेने का मामला दर्ज किया था। इस काम में उनके साथ शामिल अन्य खिलाड़ियों को लीग खेलने के लिए केवल तय बेस प्राइस (लगभग 10–20 लाख रुपये) मिल रहे थे। उस जांच में शामिल अधिकारी दिल्ली के पुलिस आयुक्त नीरज कुमार थे, जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई की कमान संभाली थी। जो कोई भी यह जानना चाहता है कि क्या क्रिकेट से भ्रष्टाचार खत्म हो गया है या नहीं और क्या 'फिक्सिंग' अभी भी एक संभावना है, उन्हें बोर्ड में अपने कार्यकाल के बारे में उनके द्वारा लिखे गए, किंतु बेहद परेशान करने वाले संस्मरण को पढ़ना चाहिए। उनकी किताब 'ए कॉप इन क्रिकेट' में इस बात का चौंकाने वाला वर्णन है कि भारत के लगभग सभी राज्यों में आयोजित होने वाली विभिन्न मिनी टी–20 लीग में किस कदर भ्रष्टाचार व्याप्त है, चाहे वह योग्यता में हेरफेर करना हो या टीम का चयन। उन्होंने आईपीएल को भी नहीं बख्शा, जहां उन्होंने पाया कि कुछ फ्रेंचाइजी टीमों की प्रतिभा खोज इकाई ने कुछ पूर्व क्रिकेटरों की सक्रिय मिलीभगत से गलत आचरण किया, जो अब कोच के रूप में काम कर रहे थे। इस किताब में बहुत स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उन्होंने इन सभी घटनाओं की सूचना बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों को दी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से, जो वे ही जानें, कोई सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए। आइए हम भारत में क्रिकेट द्वारा प्रदान की जाने वाली समृद्धि को दूसरे दृष्टिकोण से देखें, जिसको लेकर हम मानते हैं कि यह

आप द्वारा मुझे भेंट की गई काव्यसंग्रह 'जीवन के स्वर' पढ़ने का सुअवसर मिला

प्रिय द्विवेदी जी ,

ज्ञानवत्ता, कला व संगीत की देवी विणावादिनी माँ सरस्वती की वंदना से प्रारंभ, कवि के मन में उठते अनेकानेक सतरंगे भावों को दार्शनिक चिन्तन सहित काव्य की विधा में पिरोया गया यह संग्रह सत्यं शिवं सुन्दरं के आदर्श के प्रकाश में एक सुन्दर कृति है।

कई कविताएँ करुण रस से ओत–प्रोत हैं :–

1.कविता का मर्म शीर्षक की प्रथम पंक्ति कविता के उद्‌गम हैं आंसू... में सुमित्रानंदन पंत की उक्ति ... आह से उपजा होगा गान, निकल कर नयनों से चुपचाप वही होगी कविता अनजान। की प्रति/वनि सुनाई देती है।

2.असह्य वेदना/ घनी–भूत हो, मस्तक पर जब है छाती। शुभ करने की दृढ़ इच्छा पर, आंसू बन बाहर आती। इन पंक्तियों में व्यक्त कवि के हृदय की गहन वेदना, जयशंकर प्रसाद के आंसू में व्यक्त घनीभूत पीड़ा थी मस्तक में स्मृति–सी छाई दुर्दिन में आँसू बनकर वह आज बरसने आई पीड़ा की ओर ध्यान आकर्षित कर देती है।

3.मन से शीर्षक कविता में, हे मन! देख चतुर्दिक उठकर, क्रंदन करती मानवता। राह देखती उन हाथों का जिनमें मिटती है दानवता। मन के संवेदनशील स्पंदनों का संदेश देती है।

4.करुणा कलित हृदय से भावविभोर हो कवि श्री द्विवेदी प्रभु से प्रार्थना भी करते हैं––

हे अथाह करुणा के सागर! दिव्य–दया मुझ पर कर दे। जाने अनजाने पापों से, प्रभु! अब मुक्त मुझे कर दे।

5.जीवन के संघर्षों के झंझावातों से जूझता मन, नैराश्य और पराजित मानसिकता का संदेश नहीं देता ––

वशी–भूत होना आंसू के, थकने का संकेत नहीं। .....आंसू में भी सामर्थ्‌य कहां, अवरोध बने जो दृढ़मत पर।

6.उफनाती नदियों को क्या जड़ पर्वत रोक सके हैं।... नदियाँ पाएंगी नवल राह, खण्ड–खण्ड जड़ अग होंगे। भड़केगी ज्वाला यदि मन में तो, बन्धन तार–तार होंगे। में बंधी बंधाई जड़ व्यवस्था के प्रति आक्रोश व विद्रोह के स्वर सुनाई देते हैं।

7.कर दो अनावरण हर उस आवरण का। कारण है दर्शन का जो रूप में अ–रूप का। इन पंक्तियों में दर्शन शास्त्र के गहन तत्वों का संकेत मिलता है, रूप और अ–रूप के मध्य पड़े आवरणों को अनावृत कर निज मूलस्वरूप में स्थित होने की चाह।

8.संग्रह का उपसंहार गीता के निष्काम कर्म से होता है, नियत हो कर्म जो कुछ भी करें परिणाम को त्यज कर। Action is thy duty] reward is not thy concern-] -

सार रूप में 51 कविताओं का यह काव्य संग्रह एक विचारशील दर्शनशास्त्री के भावमय हृदयतंत्री में झंकृत मौन स्वरों का संगीत है। जो बैखरी के रूप में गान बन कर बह चला है। इसमें अनेक रसों का समावेश हैं—रसो वै सरू के महाकाश से कवि की घटाकाश चेतना में शबनम के रूप में अवतरित कुछ रसासिक्त गीत।

आशा है आप आंख की शल्य चिकित्सा के उपरान्त स्वस्थ हो गए होंगे। शुभकामनाओं सहित।

समीक्षक
प्रेम मुरारी सक्सेना
उत्तर प्रदेश सिविल सेवा,
डिप्टी कमिश्नर
(सेवानिवृत्त),
वाणिज्य कर विभाग,उ०प्र०

.... विविध ....

हर बुखार कोरोना नहीं होता, वायरल फीवर और कोविड के बीच कैसे करें पहचान

देश में कोरोना का खतरा फिर से बढ़ने लगा है। अगर आपको बार–बार बुखार हो रहा है तो सतर्क हो जाना चाहिए, लेकिन हर बुखार को कोरोना समझना सही नहीं है। मौसम बदलने के कारण वायरल फीवर भी हो सकता है, जो सामान्य बुखार की तरह होता है और ज्यादा खतरनाक नहीं होता। आइए जानते हैं डॉक्टरों की राय और बुखार आने पर क्या करना चाहिए।

कोरोना और वायरल फीवर में क्या फर्क?

झारखंड के पब्लिक हेल्थ सर्विस के डॉक्टर अनुज कुमार बताते हैं कि इस वक्त कोरोना के अलावा वायरल फीवर का भी प्रकोप है। वायरल फीवर मौसम बदलने के कारण होता है और यह आमतौर पर 2–3 दिनों में ठीक हो जाता है। मगर अगर बुखार ज्यादा दिन तक रहता है या बार–बार आता है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कब हो जाएं सतर्क?

अगर आप किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं तो मौसम बदलते ही बुखार आ सकता है, ऐसे में बुखार को हल्के में न लें। अगर 3 दिनों तक दवाई खाने के बाद भी बुखार कम नहीं होता, तो डॉक्टर से जरूर संपर्क करें। बुखार के साथ पेट दर्द, दस्त या शरीर पर लाल धब्बे दिखें, तो यह गंभीर हो सकता है। बार–बार बुखार आने पर ब्लड टेस्ट कराना जरूरी है ताकि डेंगू या किसी अन्य बुखार की संभावना जांची जा सके।

बुखार आने पर घर में क्या करें?

ज्यादा आराम करें।

पैरासिटामोल जैसी दवा डॉक्टर की सलाह से लें।

खूब पानी और अन्य तरल पदार्थ पीएं।

हल्का और पौष्टिक भोजन करें।

चावल, अंडा और अन्य पौष्टिक चीजें खा सकते हैं, बुखार में इन्हें नकारात्मक मत समझें।

पानी उबालकर पीएं।

गरम पानी में नमक डालकर गरारे करें।

ओआरएस का सेवन करें ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

बुखार कब गंभीर होता है?

अगर 1 हफ्ते से बुखार कम नहीं हो रहा। घरेलू इलाज और दवाइयों के बाद भी बुखार बना रहता है। बुखार के साथ अन्य लक्षण जैसे पेट दर्द, दस्त, या शरीर पर लाल धब्बे हों। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से मिलकर जांच कराएं।

डॉक्टर की खास सलाह

डॉक्टरों का कहना है कि बुखार के कारणों को समझना जरूरी है। हर बुखार कोविड–19 नहीं होता। इसलिए

बुखार आने पर जल्दबाजी में कोरोना टेस्ट के लिए भागना जरूरी नहीं। पहले अपने लक्षणों को ध्यान से देखें और अगर जरूरत हो तभी जांच करवाएं। साथ ही बुखार आने पर सही खान–पान और आराम का ध्यान रखें।

बार–बार बुखार आने पर सावधानी जरूरी है, लेकिन हर बुखार को कोरोना मान लेना सही नहीं। समय रहते डॉक्टर से सलाह लें और अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें ताकि छोटी बीमारी बड़ी न बन जाए।

सफेद बालों ने जवानी में ही दिला दिया बुढ़ापे का एहसास इन घरेलू उपायों से दोबारा पाएं काले बाल

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित दिनचर्या और खानपान की खराब आदतों ने युवाओं में समय से पहले सफेद बालों की समस्या को आम बना दिया है। जहां पहले बाल उम्र बढ़ने पर सफेद होते थे, वहीं अब किशोरों और युवाओं में भी यह परेशानी तेजी से बढ़ रही है। हालांकि बाजार में मौजूद हेयर डाई और कलर टेम्परी राहत जरूर देते हैं, लेकिन ये बालों को और ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर आप प्राकृतिक तरीके से अपने सफेद बालों को दोबारा काला बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए यहां कुछ बेहद असरदार घरेलू नुस्खे बताए गए हैं।

आंवला– बालों के लिए अमृत

आंवला में मौजूद विटामिन ब और एंटीऑक्सीडेंट बालों की जड़ों को मजबूती देने के साथ–साथ उन्हें दोबारा काला बनाने में मदद करते हैं। आंवला पाउडर को नारियल तेल में उबालकर ठंडा करें और बालों की जड़ों में लगाएं। इसके अलावा, आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला जूस का सेवन भी कर सकते हैं।

करी पत्ते और नारियल तेल

करी पत्तों में मौजूद पोषक तत्व मेलेनिन के उत्पादन को बढ़ावा देते हैं, जिससे बाल प्राकृतिक रूप से काले होते हैं। कुछ करी पत्ते नारियल तेल में उबालें और इससे स्कैल्प की मालिश करें। हफ्ते में दो से तीन बार यह उपाय करें।

भृंगराज तेल– बालों का राजा

भृंगराज को आयुर्वेद में 'बालों का राजा' कहा जाता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने, झड़ने से रोकने और सफेद बालों को काला करने में बेहद फायदेमंद होता है। रात में सोने से पहले इससे सिर की मालिश करें और सुबह बाल धो लें।

मेहंदी और कॉफी पैक

नेचुरल रंग देने वाली मेहंदी को कॉफी के साथ मिलाकर एक

असरदार हेयर पैक तैयार किया जा सकता है। गर्म पानी में कॉफी मिलाएं और उसमें मेहंदी डालकर 2 घंटे छोड़ दें। फिर इसे बालों में लगाएं और 1 से 2 घंटे बाद धो लें।

खानपान का रखें ध्यान

सफेद बालों की एक बड़ी वजह पोषण की कमी भी होती है। विटामिन ठ12, आयरन, प्रोटीन और जिंक की पर्याप्त मात्रा शरीर में होना जरूरी है। अपने भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, ड्राई फ्रूट्स, दूध, दही, अंकुरित अनाज और मौसमी फल शामिल करें।

यदि सफेद बालों ने जवानी में ही आपको उम्रदराज बना दिया है, तो ये घरेलू उपाय अपनाकर न केवल आप फिर से काले बाल पा सकते हैं, बल्कि बालों को जड़ से मजबूत भी बना सकते हैं। नियमित देखभाल और सही लाइफस्टाइल अपनाकर बालों की सेहत लंबे समय तक बरकरार रखी जा सकती है।

देर रात तक जागने वालों का दिमाग हो रहा है खोखला, भुलक्कड़ नहीं बनना है तो सुधार लो ये आदत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग देर रात तक जागते हैं –चाहे मोबाइल चलाने के लिए हो, काम का बोझ हो या नींद न आने की आदत। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नींद पूरी न करना न सिर्फ थकावट लाता है, बल्कि दिमाग और शरीर दोनों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, खासकर याद्दाश्त पर असर डालता है। चलिए जानते हैं नींद की कमी इंसान के लिए कितनी खतरनाक है।

क्या कहती है रिसर्च?

हालिया अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग लगातार देर रात तक जागते हैं और 6 घंटे से कम सोते हैं, उनमें भूलने की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। नींद के दौरान हमारा दिमाग दिनभर की चीजों को याददाश्त में सुरक्षित करता है, और जब नींद पूरी नहीं होती, तो ये प्रक्रिया बाधित होती है। ऐसे में चीजें भूलने की आदत बढ़ती है (जैसे चाबी, मोबाइल, नाम भूल जाना)।

नींद पूरी न होने से शरीर को होते हैं ये नुकसान

दिल और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या– देर रात तक जागने से हार्ट पर दबाव बढ़ता है, इससे हाई BP और हृदय रोग का खतरा रहता है।

वजन बढ़ना और मेटाबोलिज्म बिगड़नारू नींद पूरी न होने पर भूख के हार्मोन गड़बड़ाते हैं जिससे ओवरईटिंग और मोटापा होता है

इम्यून सिस्टम कमजोर होता है– नींद पूरी न होने पर इंसान बार–बार बीमार पड़ता है।

मूड स्विंग और मानसिक तनाव– इससे चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं भी बढ़ती हैं।

आंखोंऔर त्वचा पर असर– अच्छी नींद न लेने पर डार्क सर्कल, थकी हुई त्वचा और आंखों में जलन की समस्या रहती है। सही नींद कब और कितनी लें?

वयस्कों के लिए हर दिन 7–8 घंटे की गहरी नींद जरूरी है। रात में10 बजे से पहले सोना और सुबह जल्दी उठना आदर्श माना जाता है।

नाना के घर आए मासूम को उठा ले गया भेड़िया, गन्ने के खेत में बनाया निवाला

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बहराइच में सोमवार की रात भेड़िए ने गांव में दस्तक दी। वह मां के साथ सो रहे मासूम बच्चे को दबोचकर खेतों में ओझल हो गया। घंटों की तलाश के बाद बच्चे का शव गन्ने के खेत में मिला। उसके दोनों हाथ और एक पांव भेड़िया चबा गया था। लाश देख मां पछाड़ खाकर गिर गई। उधर, सूचना के बाद भी वन कर्मियों के समय पर गांव न पहुंचने से लोगों में आक्रोश दिखा। घटना हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गदामार कला के मजरा गढ़ीपुरवा की है। गांव निवासी खुशबू की शादी फखरपुर थाना क्षेत्र के कोठवल कला गांव में हुई है। वह अपने दो साल के बच्चे आयुष के साथ मायके आई थी। सोमवार को दोनों मां–बेटे सो रहे थे। आधी रात करीब 12 बजे भेड़िए ने दस्तक दी। वह दबे पांव उसके पास पहुंचा और बच्चे को दबोच लिया। इसके बाद खेतों की ओर भागा।

दो किमी दूर गन्ने के खेत में मिला शव

दरअसल, सोते समय आयुष का हाथ उसकी मां के आंचल के नीचे था। भेड़िए के खींचते समय वो जग गई और शोर मचाते हुए दौड़ी। लेकिन, भेड़िया अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की तरफ भाग गया। परिजन रातभर ग्रामीणों के साथ बच्चे को ढूंढते रहे। मंगलवार की सुबह लगभग 5 बजे बच्चे का शव गांव से करीब दो किमी दूर गन्ने के खेत में मिला। उसके दोनों हाथ और एक पैर भेड़िया खा गया था।

एक बार फिर फैली दहशत

हरदी थाना क्षेत्र के दर्जनों गांव लगभग छह माह तक भेड़िए की दहशत में थे। वन विभाग ने अभियान चलाकर पूर्व में भेड़ियों के समूह को पकड़ा था। इसके बाद दहशत थोड़ी कम हुई थी। लेकिन, मासूम बच्चे को निवाला बनाने के बाद दहशत फिर फैल गई। सैकड़ों की संख्या में आसपास के गांवों के लोग मौके पर एकत्र हो गए।

नहीं पहुंचे वन कर्मी, पुलिस करती रही तलाश

ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे के गायब होने पर तत्काल वन विभाग और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर हरदी पुलिस पहुंची और ग्रामीणों के साथ बच्चे को तलाश करने में जुटी रही।

धारदार हथियार से युवक की हत्या, छह टुकड़ों में मिली लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। हत्यारों ने शव के छह टुकड़े किए। मंगलवार की सुबह लाश देखी तो घरवाले चीख उठे। मृतक के भाई ने अपने चाचा समेत चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज करके दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। घटना बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के पटेल नगर की है। यहां के रहने वाले दिनेश वर्मा (22) की हत्या कर दी गई है। वह बीए फाइनल का छात्र था। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके

जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। जमीन की रंजिश में हत्या करने की बात कही जा रही है। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि युवक घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रहा था। सुबह उसका शव मिला है। मृतक के भाई ने अपने चाचा समेत चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। इसमें दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी दो लोगों को गिरफ्तार करने के लिए टीम बनाई गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कृषि संकाय में शामिल हुए कौशल विकास पाठ्यक्रम

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2025–26 से कृषि संकाय में पहली बार चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की शुरूआत हो रही है। 120 सीटों पर शुरू हो रहे इस कोर्स में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी हैं। इसके तहत कोर्स में छात्रों के संपूर्ण विकास एवं व्यावहारिक शिक्षा के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। इन्हें आधिकारिक सहमति देने के लिए सोमवार को संकाय में फैकल्टी बोर्ड एवं बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक हुई। इसमें इस पर मुहर लग गई। संकाय अध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि छात्रों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की 6वीं डीन समिति की सिफारिशों के अनुरूप तैयार कोर्स पढ़ाया जाएगा। पाठ्यक्रम में वैकल्पिक एवं मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम, एनसीसी, एनएसएस की गतिविधियां शैक्षिक भ्रमण और अन्य अनुभवनात्मक शिक्षण गतिविधियां शामिल की जाएंगी। पाठ्यक्रम के लिए अलग से तैयार किए गए अध्यादेश को भी बैठक में मंजूरी दी गई। इस अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से नामित बाह्य सदस्य डॉ. राकेश सिंह एवं डॉ. प्रवीण प्रकाश तथा भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान से डॉ. ए. बी. सिंह उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। एनसीसी कैडेट्स को इस साल होने वाली प्री–नौसैनिक व अखिल भारतीय नौसैनिक शिविर के लिए तैयार करने के लिए तीन यूपी नेवल यूनिट एनसीसी का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया है। प्रशिक्षण शिविर एलनहाउस पब्लिक स्कूल में 10 जून तक चलेगा। इससे कैडेट्स में नेतृत्व, टीम भावना और आत्मबल का विकास होगा। शिविर में 135 बालिका कैडेट्स समेत कुल 421 कैडेट्स हिस्सा ले रहे हैं। कैंप कमांडेंट कमांडर गौरव शुक्ला ने पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने को कहा। शिविर में कैडेट्स तैराकी, बोट पुलिंग, रोइंग सिम्यूलेटर, सीमैनशिप, फायरिंग अभ्यास, शिप मॉडलिंग तथा सर्विस सब्जेक्ट का प्रशिक्षण लेंगे।

स्वास्थ्य विभाग ने सीएचसी पर कोरोना किट मुहैया कराई

लखनऊ, (संवाददाता)। कोरोना के नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अब थोड़ा अलर्ट हुआ है। सीएमओ के अधीन सभी सीएचसी पर अब एंटीजन किट से कोविड की जांच होगी। स्वास्थ्य विभाग ने केजीएमयू से कार्ड टेस्ट किट ली है। आगे के लिए ऑर्डर देकर कंपनी से किट मंगवाई जाएगी। ज्तमदकपदह टपकमवे शहर में रविवार तक दो बुजुर्ग समेत चार लोगों में कोरोना की पुष्टि हो चुकी थी। ये मरीज आशियाना, शारदा नगर, डालीगंज और गोमती नगर में मिले हैं। चार मरीजों के मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। सीएमओ के अधीन 20 सीएचसी हैं। सभी सीएचसी पर अभी तक कोरोना की जांच की सुविधा नहीं थी। कॉरपोरेशन पास भी किट नहीं थी।

घरवाले नहीं हैं तो शादी कराने वाले की मौजूदगी में ही होगा विवाह पंजीकरण, इसलिए लिया गया ये बड़ा फैसला

लखनऊ, (संवाददाता)। विवाह पंजीकरण में जालसाजी रोकने के लिए स्टांप व रजिस्ट्रेशन विभाग को हाईकोर्ट ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब पंजीकरण केवल वहीं होगा, जिस जिले का वर या वधु स्थायी निवासी होगा। अपंजीकृत रेंट एग्रीमेंट मान्य नहीं होगा। उम्र का सत्यापन भी होगा। जिन मामलों में परिवार का सदस्य मौजूद नहीं होगा, विवाह संस्कार संपन्न कराने वाला शपथपत्र देगा। साथ ही उसका रजिस्ट्रार के यहां मौजूद रहना अनिवार्य होगा। यानी जिस शादी में परिजन मौजूद होंगे, वहां शादी कराने वाले की उपस्थिति अनिवार्य नहीं होगी। घर से भागे जोड़ों की शादी कराने वाला रैकेट गाजियाबाद, नोएडा, प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, मेरठ सहित कई शहरों में सक्रिय है। ये रैकेट मां–बाप की मर्जी के बिना भागे हुए जोड़ों की शादी कराता है। ये लोग आर्य समाज की शादी का फर्जी सर्टिफिकेट बनवाते हैं। दूसरे राज्यों के वर–वधु की शादी यूपी के किसी शहर में दिखाकर, वहीं शादी का पंजीकरण करा देते हैं। इसकी जांच में पाया गया कि 90 फीसदी मामलों में शादी और पंजीकरण की तारीख एक थी। रैकेट भाग कर शादी करने वाला जोड़े से हाईकोर्ट में पुलिस सुरक्षा के लिए रिट फाइल कराता है। वर्ष 2024 में शनिदेव नाम के युवक ने जान का खतरा बताते हुए पुलिस सुरक्षा मांगी। इस बीच हाईकोर्ट में इस तरह के इतने मामले पहुंच गए कि स्पेशल कैटेगरी बनानी पड़ी। हाईकोर्ट ने इस तरह की 125 रिट को एक साथ सुनवाई के लिए क्लब कर लिया। फिलहाल पंजीकरण के सत्यापन की व्यवस्था नहीं हाईकोर्ट ने एआईजी स्टांप गाजियाबाद, नोएडा और प्रयागराज को पंजीकृत विवाह का डाटा के साथ व्यक्तिगत पेश होने के आदेश दिए। खुलासा हुआ कि केवल गाजियाबाद में ही एक वर्ष में 29 हजार शादियों का पंजीकरण हुआ। नोएडा और प्रयागराज में भी यह संख्या इसी के आसपास निकली।

हर कीमत पर कानून का राज बनाए रखेंगे : डीजीपी राजीव कृष्ण

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में डीजीपी राजीव कृष्ण ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकारों से बात की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुलिस फोर्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में दक्ष बनाया जाएगा। जल्द शुरू होने वाली 60244 सिपाहियों की ट्रेनिंग में एआई को शामिल किया जाएगा, ताकि वे नई चुनौतियों से निपट सकें। महिलाओं को सुरक्षा और संरक्षा देकर उन्हें सशक्त बनाने का पूरा प्रयास होगा। उन्होंने प्रदेश की जनसुनवाई प्रणाली (आईजीआरएस) को देश में सबसे अच्छा बताते हुए कहा कि इसका बेहतर उपयोग सुनिश्चित कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। बीते आठ साल में पुलिस की दिशा और दशा सराहनीय रही है। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए आमजन को सुरक्षित माहौल देना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

साइबर क्राइम पर प्रभावी लगाम लगाई जाएगी

महिला अपराध की रोकथाम के साथ समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। हर कीमत पर कानून का राज बनाए रखा जाएगा। कहा, कोरोना महामारी के बाद साइबर क्राइम बड़ा खतरा बनकर उभरा है। इसके मामले तेजी से बढ़े हैं। इस पर प्रभावी लगाम लगाई जाएगी। पुलिसकर्मियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण भी कराया जाएगा ताकि वे भविष्य की चुनौतियों से निपट सकें।

एटीएस में बदलाव जरूरी

उन्होंने कहा कि एटीएस में कुछ बदलाव जरूरी हैं। प्रदेश में तीन जगहों पर इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) द्वारा सीरियल बम धमाके करने के बाद इसकी स्थापना हुई थी। लगातार चले ऑपरेशन की बदौलत आईएम के मॉड्यूल को खत्म करने में सफलता मिली है। आतंकियों और जासूसों से निपटने के लिए एटीएस को और अधिक सशक्त किया जाएगा। विजिलेंस का भी जिम्मा होने पर डीजीपी ने कहा कि भ्रष्टाचार पर प्रहार का काम जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

बड़े मंगल पर बन रहा शुभ संयोग

लखनऊ, (संवाददाता)। ज्येष्ठ माह में हनुमान जी की श्रद्धा भाव से पूजा का विशेष फल मिलता है। इस बार चौथे बड़े मंगल पर विशेष संयोग बन रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि, पूर्व फाल्गुनी नक्षत्र, हर्षण योग और चंद्रमा सिंह राशि में होंगे। इसके साथ ही इस दिन धूमावती जयंती, मासिक दुर्गाष्टमी का पर्व भी मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि हनुमान जी के 12 नामों का जाप करने से भक्तों को बहुत लाभ मिलता है। इस जाप से भक्तों की आयु लंबी होती है, पारिवारिक जीवन में सुख और शांति आती है, धन की प्राप्ति होती है और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि इस मौके पर कश्मीर में बहुत बड़ा मेला खीर भवानी का लगता है। बड़े मंगल पर हनुमान जी के साथ प्रभु श्रीराम की भी पूजा करनी चाहिए। सुंदरकांड, रामायण का पाठ करना भी फलदायी रहता है।

बीटेक–बीफार्मा पहले व दूसरे वर्ष की परीक्षाएं 27 से

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में पहले चरण की परीक्षाएं आखिरी चरण में हैं। साथ ही विवि प्रशासन ने दूसरे चरण की परीक्षाओं का प्रस्तावित कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके अनुसार बीटेक–बीफार्मा पहले व दूसरे वर्ष की परीक्षाएं 27 जून से 18 जुलाई के बीच प्रस्तावित की गई हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. दीपक नगरिया ने बताया कि बीटेक दूसरे व चौथे सेमेस्टर, बीफार्मा पहले, दूसरे व चौथे सेमेस्टर, बीआर्क आदि की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। सभी संबद्ध कॉलेजों के निदेशक व प्राचार्य को उन्होंने निर्देश दिया है कि वह इससे अवगत होते हुए छात्रों को भी सूचित कर दें। वहीं इस पर किसी तरह की संशोधन के लिए छह जून तक ई–मेल से सूचित करें। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए परीक्षा फार्म तीन से 15 जून तक भरे जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि नियमित व कैरी ओवर परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी ईआरपी से अपना परीक्षा फार्म भरकर, परीक्षा शुल्क जमा करें। ताकि वह बिना किसी बाधा के परीक्षा में शामिल हो सकें।

डीजल, पेट्रोल के साथ इलेक्ट्रिक कार बनाएंगे आईटीआई के विद्यार्थी

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईस्कूल व आईटीआई पास विद्यार्थी डीजल, पेट्रोल और इलेक्ट्रिक कार बनाएंगे। गुजरात की सुजुकी कंपनी इसके लिए 24 हजार रुपये प्रति महीना वेतन देगी। अलीगंज स्थित राजकीय प्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में पांच जून को प्रस्तावित रोजगार मेले में इच्छुक अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। आईटीआई के प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि सुजुकी कंपनी गुजरात प्लांट के लिए ट्रेनी के करीब 200 पदों पर चयन करेगी। इसके लिए परिसर में पांच जून को सुबह 10 बजे से रोजगार मेला लगेगा। जो विद्यार्थी 10वीं, 12वीं के साथ आईटीआई के अलग–अलग कोर्स से प्रशिक्षण ले चुके हैं। वे अपने दस्तावेज के साथ रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। हालांकि, इससे पहले सुजुकी कंपनी की वेबसाइट पर पंजीकरण कराना जरूरी होगा। यह भर्ती केवल पुरुषों के लिए है।

बद्री सर्राफ के मालिक पर जानलेवा हमले की साजिश रचने का आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

लखनऊ, (संवाददाता)। बद्री सर्राफ के मालिक पर जानलेवा हमले की साजिश करने के आरोपी अष्टभुजा पाठक को एडीजे मधु डोगरा ने आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि विवेचक ने आरोपी के खिलाफ कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए हैं और दोनों के बीच पुराने विवाद के आधार पर बिना किसी सबूत के चार्जशीट दायर कर दी है। इससे विवेचक की लापरवाही दिखती है। आरोपी के अधिवक्ता ने आरोपों से मुक्त करने की मांग वाली अर्जी देकर बताया कि मामले में झूठा फंसाया गया है। रिपोर्ट में मात्र संदेह के आधार पर नाम दर्ज किया गया है। आरोपी घटना के समय मौके पर मौजूद भी नहीं था। साथ ही विवेचक ने मामले के अन्य आरोपी राजेश केसरवानी को क्लीन चिट दे दी और अष्टभुजा को पुराने विवाद के आधार पर एकमात्र आरोपी बना दिया। मामले में सुधीर केसरवानी ने विकासनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 11 नवंबर 2020 को उनका बेटा अभिषेक केसरवानी अपनी पत्नी नेहा के साथ उसकी कल्याणपुर स्थित बद्री सर्राफ नामक दुकान बंद कर कार से घर लौट रहा था। रास्ते में सीमैप कॉलोनी के गेट के पहले कार सवार दो अज्ञात लोगो ने अभिषेक की रुकवाई और वादी के पुत्र को गोली मार दी, जो उसके सीने में लगी। घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। साथ ही आरोप लगाया गया कि वादी के बड़े भाई राजेश केसरवानी ने घरेलू जमीन के बंटवारे के बाद वादी के दुश्मन अष्टभुजा पाठक से मिलकर जानलेवा हमला करवाया था। अष्टभुजा ने वादी के बेटे को कई बार जान से मारने की धमकी दी थी। में मामले में पुलिस और अपराध शाखा के विवेचक ने विवेचना के बाद राजेश केसरवानी को साक्ष्य के अभाव में क्लीन चिट दे दी, जबकि अष्टभुजा पाठक को पुराने विवाद के चलते आरोपी बनाकर चार्जशीट दायर कर दी।

लोकबंधु अस्पताल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से डॉक्टरों की गवाही शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। ई–कोर्ट की सहूलियत वाला लोकबंधु राजधानी का पहला सरकारी अस्पताल है। सोमवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से गवाही दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि डॉक्टरों को विभिन्न जिलों में जाकर कोर्ट में गवाही देनी पड़ती थी। इसमें कई दिन का समय लग जाता था। इस दौरान डॉक्टर न रहने से मरीज भी परेशान होते थे। जिलेभर के डॉक्टर कोर्ट एविडेंस आने पर गवाही देने के लिए सीएमओ ऑफिस में बने ई कोर्ट रूम जाते हैं। शासन के निर्देश पर यहां बनाए गए ई–कोर्ट में कंप्यूटर व अन्य जरूरी उपकरण लगाए गए हैं। इस कोर्ट रूम से अब तक 20 से अधिक डॉक्टरों की गवाही हो चुकी है। इस दौरान उनकी ओपीडी–ओटी प्रभावित होती है। ऐसे में अब लोकबंधु अस्पताल के डॉक्टरों को सहूलियत होगी। सीएमओ डॉ एनबी सिंह के मुताबिक सभी अस्पताल प्रभारी अपने यहां ई कोर्ट की सुविधा शुरू करवा सकते हैं। इसके लिए एक कमरा व संसाधनों की जरूरत होगी।

लोहिया संस्थान के नर्सिंग कॉलेज में भर्ती का नया विज्ञापन जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के नर्सिंग कॉलेज में नियमित भर्ती के लिए नया विज्ञापन जारी कर दिया गया है। वर्ष 2022 में इनका विज्ञापन जारी किया गया था, जो पिछले महीने रद्द कर दिया गया था। इन पदों पर आवेदन ऑफलाइन लिए जाएंगे। संस्थान के नर्सिंग कॉलेज में कुल नौ पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। इनमें से दो पद ट्यूटर के हैं। प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल के एक–एक, दो पद एसोसिएट प्रोफेसर और तीन पद असिस्टेंट प्रोफेसर के हैं। 30 जून तक आवेदन सिर्फ स्पीड पोस्ट से ही लिए जाएंगे। प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल पर भर्ती साक्षात्कार के आधार पर होगी। अन्य पदों पर लिखित परीक्षा से स्क्रीनिंग करने के बाद साक्षात्कार के आधार पर भर्ती की जाएगी। सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन फीस 1180 और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 708 रुपये है। दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क नहीं देना होगा।

व्यावसायिक वाहनों को आवंटित होंगे टी सीरीज के नंबर

लखनऊ, (संवाददाता)। परिवहन विभाग व्यावसायिक वाहनों को अब टी सीरीज के नंबर आवंटित करेगा। इनके लिए अभी तक एन सीरीज के नंबर आरक्षित थे। आरटीओ प्रशासन संजय कुमार तिवारी ने बताया कि एनजेड सीरीज चल रही है, जो पूरी होने वाली है। प्राइवेट वाहनों के नंबर की क्यूआर सीरीज चल रही है। ऐसे में अब व्यावसायिक वाहनों को क्यूटी नंबर जारी किए जाएंगे। इनकी आखिरी सीरीज जेडटी तक जाएगी। नए बदलाव से प्राइवेट वाहनों के लिए पहले अक्षर के रूप में टी मान्य होगा, लेकिन बाद में टी आने पर इसे व्यावसायिक माना जाएगा। क्यूटी, आरटी, एसटी, टीटी, यूटी, वीटी, डब्ल्यूटी, एक्सटी, वाईटी और जेड टी नंबर व्यावसायिक वाहनों के होंगे। क्यूएस, क्यूयू, क्यूवी, क्यूडब्ल्यू, क्यूएक्स, क्यूवाई और क्यूजेड सीरीज प्राइवेट वाहनों के लिए होगी। इस संबंध में जल्द मुख्यालय और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को पत्र भेजा जाएगा।

थाईलैंड में बौद्ध विरासतों का प्रदर्शन करेगा यूपी, पर्यटन विभाग अंतरराष्ट्रीय मेले में होगा शामिल

लखनऊ, (संवाददाता)। थाईलैंड में 26 से 28 अगस्त तक प्रशांत एशिया ट्रेवल एसोसिएशन (पाटा) अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेले का आयोजन कर रहा है। बैंकाक में होने वाले इस आयोजन में यूपी का पर्यटन विभाग बौद्ध सर्किट में आने वाली बौद्ध विरासतों को प्रदर्शित करेगा। इसमें राज्य की पर्यटन विविधता सांस्कृतिक, भौगोलिक, आध्यात्मिक तथा ऐतिहासिक हेरिटेज को भी दिखाया जायएगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि थाइलैंड में बहुसंख्यक आबादी बौद्ध धर्म को मानने वाली है। पाटा के आयोजन में प्रदेश की सहभागिता राज्य को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विभाग का मुख्य उद्देश्य ब्रांड यूपी को स्थापित कर राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से वहां लगाए जाने वाले स्टॉलों पर सभी सूचनाएं अंग्रेजी व स्थानीय भाषा में प्रदर्शित की जाएगी। इसमें भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती समेत अन्य आध्यात्मिक, धार्मिक, विरासत, ईको पर्यटन स्थलों का प्रचार–प्रसार किया जाएगा। यूपी पवेलियन में राज्य पर्यटन की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा ऐतिहासिक विरासत को दिखाया जाएगा। पर्यटन विभाग के कार्यक्रमों और रोड शो के दौरान हर स्थान पर व्यापक आउटडोर पब्लिसिटी और ब्रांडिंग की जाएगी।

अब 32 दिनों में तैयार करनी होगी रजिस्ट्री की फाइल

लखनऊ, (संवाददाता)। एलडीए के बाबुओं को अब संपत्तियों की रजिस्ट्री की फाइल 32 दिनों में तैयार करनी होगी। इसके लिए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की ओर से मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) जारी कर दी है। इसमें जांच और परीक्षण के लिए 16 चरण बनाए गए हैं। इसमें सोशल मीडिया का भी इस्तेमाल किया जाएगा। एसओपी में तय कर दिया गया है कि किस स्तर पर कितने समय में काम निपटाया जाएगा। तय समय के बाद भी फाइल न बढ़ाने वाले पर कार्रवाई होगी। आवंटी को भी डाक व व्हाट्सएप से सूचना दी जाएगी। एसओपी के मुताबिक आवंटी को ऑनलाइन आवेदन के बाद हर बाबू के पास नहीं दौड़ना पड़ेगा। बाबू की जिम्मेदारी तय की गई है कि वह आवंटी को अपने स्तर से जानकारी देगा। इसमें लापरवाही बरतने पर उसके खिलाफ कार्रवाई भी होगी। एलडीए वीसी का कहना है कि संपत्ति अनुभाग की समीक्षा के अलावा हर शनिवार को होने वाले सिंगल टेबल क्लीरियंस डे में रजिस्ट्री को लेकर विभाग लापरवाही कर रहे हैं। जांच के लिए जिन अनुभागों में फाइलें जाती हैं, वहां समय से कार्यवाही न करके लंबित रख दिया जाता है। इससे आवंटी परेशान होते हैं। इसे लेकर ही एसओपी जारी की गई है। जिस दिन आवंटी रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन करेगा, उसी दिन संबंधित प्रभारी संपत्ति और पटल सहायक को व्हाट्सएप पर जानकारी देगा। पटल सहायक उसी दिन कार्यवाही कर दो दिन में लीज प्लान के लिए फाइल नियोजन विभाग को भेजेगा। यदि लीज प्लान में स्थल पुष्टि की जरूरत नहीं है तो नियोजन विभाग तीन दिन में योजना सहायक को रिपोर्ट भेज देगा। लीज प्लान में स्थल पुष्टि की आवश्यकता है तो विभाग दो दिन में संबंधित अभियंत्रण खंड को फाइल भेजेगा। अभियंत्रण खंड ज्यादा से ज्यादा पांच दिनों में रिपोर्ट देगा और नियोजन विभाग दो दिन में पटल सहायक को साइट प्लान भेजेगा। पटल सहायक रकम की गणना के लिए दो दिन में फाइल कास्टिंग अनुभाग को देगा। कॉस्टिंग अनुभाग गणना के बाद तीन दिन में फाइल वापस योजना सहायक को भेजेगा। जीएसटी रिपोर्ट की जरूरत हो तो पटल सहायक दो दिन में जीएसटी सेल से रिपोर्ट लेगा। जीएसटी रिपोर्ट मिलने के बाद योजना सहायक आवंटी को मांगपत्र डाक और व्हाट्सएप से सूचना देगा। आवंटी के पैसा जमा करने के बाद योजना सहायक फाइल को कम्प्यूटर सेल में भेजेगा। कम्प्यूटर सेल जांच कर दो दिन में फाइल योजना सहायक को भेजेगा। फिर योजना सहायक जमा रकम का सत्यापन लेखा अनुभाग से कराएगा। तीन दिन में सत्यापन कर फाइल योजना सहायक को वापस की जाएगी। जमा रकम के सत्यापन के बाद योजना सहायक आवंटी को स्टांप पेपर जमा करने की सूचना देगा। स्टांप पेपर जमा होने के तीन दिन में फाइल रजिस्ट्री सेल में तैनात अधिवक्ता को परीक्षण के लिए दी जाएगी। अधिवक्ता दो दिन में परीक्षण कर फाइल रजिस्ट्री सेल में देगा। इसके बाद रजिस्ट्री सेल आवंटी को रजिस्ट्री कराने के लिए सूचना देगा।

हाईकोर्ट ने डीह ग्राम प्रधान को हटाने के आदेश को किया रद्द

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर ध्बल्दीराय विकास खंड के डीह ग्राम की प्रधान ममता शुक्ला को हटाने के जिलाधिकारी के आदेश को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। ममता शुक्ला ने अपने हटाए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद जिलाधिकारी द्वारा 25 मई को जारी हटाने के आदेश को निरस्त कर दिया।कोर्ट ने याचिकाकर्ता ममता शुक्ला को निर्देश दिया है कि वे अपना जवाब 10 जून तक डीपीआरओ कार्यालय में दाखिल करें। इसके बाद जिलाधिकारी को 30 जून तक या उससे पहले इस संबंध में नया आदेश जारी करने को कहा गया है।डीपीआरओ अभिषेक शुक्ल ने बताया कि अभी तक ग्राम प्रधान की ओर से कोई प्रत्यावेदन या जवाब प्राप्त नहीं हुआ है।मामला ग्राम पंचायत में कथित अनियमितताओं से जुड़ा हुआ है,जिस पर अब कानूनी प्रक्रिया के अनुसार अगली कार्यवाही होगी।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, फंदे से लटका मिला शव

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर / अखंडनगर थाना क्षेत्र के महमदपुर देवकी गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान चांदनी के रूप में हुई है, जिसने दो वर्ष पूर्व विष्णु नामक युवक से प्रेम विवाह किया था।मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।अखंडनगर थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को परीक्षण हेतु पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया है। परिजनों की ओर से कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

कुर्सी रोड, जानकीपुरम विस्तार योजना स्थित् ग्रीन बेल्ट में निर्मित बिना निकासी 'नाला निर्माण' की जांच की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।कुर्सी रोड, जानकीपुरम विस्तार योजना में सृष्टिध्स्मृतिध्सरगम अपार्टमेंट्स के सामने ग्रीन बेल्ट में बिना निकासी के ष्नाले निर्माणष की जांच कराने हेतु ग्रेटर लखनऊ जनकल्याण महासमिति के महासचिव तथा समाजसेवी विवेक शर्मा ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को पत्र सौंपा।

यहां यह ज्ञातव्य है कि जानकीपुरम विस्तार की बहुखण्डीय योजना में सन् 2016ध्17 में लगभग 50 लाख की लागत से नाला बनाया गया था जिसकी दोनों तरफ जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

उक्त नाले के निर्माण के सम्बन्धा में महासमिति के महासचिव विवेक शर्मा ने निम्न सवालों का स्पष्टीकरण लखनऊ विकास प्राधिकरण से जानना चाहा है –

1. उक्त नाला निर्माण में खर्च हुई धनराशि अपार्टमेंट योजनाओं के आबंटियों की ही प्रतीत होती है जिसके कारण फ्लैटों की लागत में भी बढ़ोत्तरी होना संभव है।

2. इस बिना निकासी वाले नाले का निर्माण क्यों किया गया?, इसका अभी तक कोई संतोषजनक उत्तर भी नहीं मिल पा रहा, लगातार शिकायतों के बाद प्राधिकरण के अभियंताओं की टीम तो स्थल निरीक्षण को जाती है किंतु खानापूर्ति कर वापस लौट जाती है। 3. किस प्रयोजन से इस गहरे नाले का निर्माण किया गया?

4. उक्त नाला निर्माण प्राधिकरण के किस अभियंताध्अफसर की देखरेख में निर्मित हुआ?

5. 5. बिना निकासी (दोनों ओर से बंद) जो कि अब निष्प्रयोज्य की श्रेणी में हो चुका है उस नाले को बनाने का क्या उद्देश्य था?

6. इस नाले को किसी भी अपार्टमेंट (सृष्टिध स्मृतिध सरगम) से क्यों नहीं जोड़ा गया?

7. यक्ष प्रश्न तो ये है कि फिर क्यों इतनी बड़ी धनराशि इस निष्प्रयोज्य नाला निर्माण में खर्च क्यों और किसको लाभ पहुंचाने के लिए की गई?

उक्त नाला जानवरों के लिए खतरनाक है तथा इस गहरे नाले की सफाई और उसको ढकने हेतु स्लैब (पटिया) लगाए जाने हेतु स्थानीय निवासियों द्वारा किया जा रहा है, परन्तु प्राधिकरण द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। नाला खुला होने की वजह से इसमें अक्सर जानवर गिर कर चोटिल होते रहते हैं। प्राधिकरण के जिम्मेदार अभियंताओं द्वारा आज तक केवल जल्द ही कार्य पूर्ण किए जाने का आश्वासन तो दिया जा रहा लेकिन आज तक कार्य पूर्ण नहीं किया।

मानसून ने दस्तक दे दी है लेकिन जिम्मेदार अभियंताओं ने नाले की सफाई तक नहीं करवाई है जिस कारण सर्विस लेन में बरसात के समय जल जमावध्भराव की संभावना है। जल जमाव के कारण डामर से बनी सड़क भी खराब होकर टूटने लगेगी।

महासचिव शर्मा ने नाले के निर्माण की जांच व प्राधिकरण के खजाने को खाली करने वाले संलिप्त अभियंताओंध्अफसरों एवं कार्यदाई संस्था से ही इसकी क्षतिपूर्ति करने एवं दोषियों पर प्रभावी दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग की है।

सृष्टि अपार्टमेंट में जलभराव व लीकेज की समस्या को प्राधिकरण शीघ्र दूर करे

विवेक शर्मा ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को 1 मई को सौंपे गए पत्र के माध्यम से सृष्टि अपार्टमेंट में जलभराव व लीकेज की समस्याओं को शीघ्र दूर करने के सम्बन्ध में अनुरोध किया।

जिलाधिकारी विशारव जी को अमर नाथ मिश्र चीफ वार्डन सिविल डिफेंस द्वारा आधा दर्जन आपातकालीन प्रयोग होने वाले साइरन जनहित में प्रदान किये गए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।जिलाधिकारी कार्यालय में अब्दुल कलाम हॉल में जिलाधिकारी विशाख जी को अमर नाथ मिश्र चीफ वार्डन सिविल डिफेंस द्वारा आधा दर्जन आपातकालीन प्रयोग होने वाले साइरन जनहित में प्रदान किये गए। इस अवसर पर अमर नाथ मिश्र ने बताया कि शहर में कई स्थानों पर

लगे साइरन में से कई खराब हो गए हैं इसलिए सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ये साइरन जिलाधिकारी को सौंप रहें है । जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया की प्राथमिकता के आधार पर पहले खराब हो गए सायरन बदले जाये और जो ठीक हो सकते है वो ठीक कराए जाये और आगे भी आवश्यकता के अनुसार सायरन और लगाये जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार सिंह स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन ऋतु राज रस्तोगी उपनियंत्रक अनिता प्रताप एडीसी मनोज वर्मा उपस्थित रहे।

मदर्स डे को एचएसजे ने बनाया खघस, गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज में 25% तक की छूट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।मदर्स डे के खास मौके पर एचएसजे अपने ग्राहकों को सुनहरा तोहफा दे रहा है। यहाँ गोल्ड ज्वेलरी की मेकिंग चार्ज पर 25%: तक की छूट और चुनिंदा गोल्ड प्रॉडक्ट्स पर मात्र 8% मेकिंग चार्ज लागू होगी। साथ ही डायमंड प्रॉडक्ट्स के कुल मूल्य पर 25% तक की छूट मिलेगी। इस खघस ऑफर के जरिए एचएसजे मौका दे रहा है कि माँ के प्रति प्रेम और सम्मान को एक खूबसूरत तोहफे के जरिए जाहिर करने का।

माँ सिर्फ एक रिश्ता नहीं, वह हमारे जीवन की सबसे मजबूत नींव होती है। एचएसजे के डायरेक्टर अंकुर आनंद ने कहा कि माँ हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं। उनके बिना हमारा अस्तित्व अधूरा है। हम एचएसजे में यह मानते हैं कि ज्वेलरी सिर्फ आभूषण नहीं होती, बल्कि भावनाओं की अभिव्यक्ति होती है। मदर्स डे पर यह ऑफर हमारी उसी सोच को दर्शाता है कि हर माँ को मिले एक ऐसा तोहफा, जो उनकी चमक और गरिमा को और भी निखारे।

साइबर अपराध से बचने के लिए तकनीकी ज्ञान और जागरूकता जरूरी- कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में बुधवार को साइबर थाना एवं विश्वविद्यालय के साइबर क्लब द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में नए तरह के साइबर क्राइम और उनसे बचाव पर साइबर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की. अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि आज साइबर अपराध बहुत तेजी से बढ़ रहा है इससे बचने के लिए सभी को तकनीकी का सही ज्ञान और जागरूकता बहुत आवश्यक है. उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी हमारी जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर हमें डरा धमका कर ठगी करते है. इस तरह के अपराधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है.

विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि साइबर अपराधियों से डरने की जरूरत नहीं है बल्कि धैर्य से काम करने की जरूरत है. पहले से आज की तुलना में जागरूकता बढ़ी है जिसके कारण साइबर अपराधी पकडे जा रहे है. उन्होंने कहा कि अधिकांश साइबर अपराधियों का अंतिम उद्देश्य वित्तीय फ्रॉड करना होता है. साइबर क्राइम थाना जौनपुर के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह ने विस्तार के विविधा साइबर अपराधों के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि आज डिजिटल अरेस्ट एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया है. पुलिस, जज, सीबीआई, आरबीआई के अफसर बनकर साइबर अपराधियों द्वारा बड़े लोगों को डराया और धमकाया जाता है. उन्होंने कहा कि अगर कोई मोबाइल पर पैसे की मांग करें या डराए तो उसकी शिकायत साइबर क्राइम पोर्टल या साइबर थाने में जरूर करें. इसी क्रम में आलोक सिंह ने भी साइबर अपराध से बचने के उपाय बताये. साइबर क्राइम थाने के संग्राम यादव ने कहा कि साइबर अपराधी लालच देकर लोगों को फंसा रहे हैं इन्वेस्टमेंट फ्रॉड बहुत तेजी से बढ़ रहा है. एक साल में पैसा डबल करने का प्रलोभन अगर मिले तो सावधान रहें. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चों को गेमिंग एप से दूर रखें बहुत सारे साइबर अपराधी गेमिंग एप के माध्यम से फ्रॉड कर रहे हैं. उन्होंने लोन एप से हो रहा है फ्रॉड को भी बताया. कहा कि सावधानी के साथ बैंकों से लोन लेना चाहिए. विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने नए तरीके के साइबर अपराधों के विविध आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं अतिथियों का स्वागत किया.

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, बबीता सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. गिरिधर मिश्र, डॉ. राज बहादुर यादव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत यादव, संजय सिंह, ऋचा सिंह, सुशील प्रजापति, साइबर थाने के सुगम यादव एवं आकांक्षा सिंह समेत अन्य अन्य लोग उपस्थित रहे.

पुरानी रंजिश में मनबढ़ों ने महिला को पीटा मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जलालपुर थाना क्षेत्र के हौज मुरारपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक महिला को मनबढ़ों ने मारपीट कर अधमरा कर दिया। महिला के भाई की तहरीर पर जलालपुर थाना पुलिस ने चार के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है जलालपुर थाना क्षेत्र के मकरा गांव निवासी सूरज कुमार चौहान हौज मुरारपुर गांव में अपने जीजा प्रदीप के यहां रहता है सोमवार को जलालपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव के ही कुछ लोग पुरानी रंजिश के चलते उसकी बहन अनारा देवी को बीती रात मारपीट कर अधमरा कर दिया। जिसका इलाज शहर के एक निजी चिकित्सालय में चल रहा है जहां महिला की स्थिति गंभीर बनी हुई है थाना प्रभारी जलालपुर त्रिवेणी सिंह ने बताया कि पीड़िता के भाई की तहरीर पर गांव के ही राजकुमार, जितेन्द्र, भानू, और विकाश के विरूद्ध केस दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है

देवरिया में निर्माणाधीन वाटर पार्क की दीवार ढही, छात्र की दबकर मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। नगर से सटे भभौली गांव के गोपालपुर टोला पर निर्माणधीन वाटर पार्क की दीवार गिरने से दबकर एक छात्र की मौत हो गई। वहीं, उसके साथ वाटर पार्क में नहाने गया आठवीं का एक छात्र घायल हो गया। घटना सोमवार की सुबह आठ बजे की है। मृतक मामा के घर रहकर पढ़ता था। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने को भेज दिया। वाटर पार्क संचालक से मामले में पुलिस ने पूछताछ की। कुशीनगर जिले के हटा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिंडरा लक्ष्मीपुर गांव का रहने वाला संगम निषाद उम्र करीब 11 वर्ष अपनी माता मीना के साथ ननिहाल में रहकर पढ़ाई करता था। वह गांव के प्राथमिक विद्यालय सरया में कक्षा तीन का छात्र था। गांव में एक वाटर पार्क का निर्माण हो रहा है, जिसको देखने लिए सोमवार की सुबह गांव के बच्चे गए थे, जिसमे संगम भभौली गांव के ही श्याम उर्फ मोछू उम्र 16 साल के साथ वाटर पार्क देखने गया था। वाटर पार्क में जमा पानी की वजह से अचानक दीवार भरभरा कर गिर गया। दोनों वाटर पार्क में नवनिर्मित दीवार के बगल में खड़े थे कि अचानक दीवार भरभरा कर उनके ऊपर गिर गई। संगम दीवार के नीचे दब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। श्याम उर्फ मोछू को गंभीर चोट आई है। ग्रामीणों के सहयोग से मलबे से संगम का शव बाहर निकाला गया। श्याम को चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर कर दिया घटना से गांव में कोहराम मच गया। बेटे का शव देख मां मीना दहाडेध मार कर रोने लगी। दो बेटों में संगम बड़ा था। । बेटे के शव पर पूरा परिवार दहाड़े मारकर रो रहा था। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक रणजीत सिंह भदौरिया ने कहा कि मृतक छात्र का शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उसकी मां की तहरीर पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

समर कैम्प बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण : सीडीओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । मडियाहूं ब्लॉक स्थित कम्पोजिट विद्यालय कुरनी में चल रहे समर कैम्प का मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया ने बुधवार को निरीक्षण किया। उनके साथ जिला समन्वयक मध्यान्ह भोजन अरुण मौर्य और जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल पाण्डेय भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विद्यालय में चल रही शैक्षिक और सहशैक्षिक गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों के समूह कार्य, विज्ञान, कला, खेल और अभिव्यक्ति से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया। बच्चों का उत्साह और शिक्षकों की लगन देख अधिकारी प्रभावित हुए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि समर कैम्प बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। यहां बच्चों को पाठ्यक्रम के अलावा जीवन कौशल, रचनात्मकता और नेतृत्व का प्रशिक्षण मिलता है।

उन्होंने प्रधानाध्यापिका श्रीमती श्यामिनी सिंह और उनकी टीम को आयोजन के लिए बधाई दी। कैम्प में बाल साहित्य, चित्रकला, समूह चर्चा, विज्ञान प्रयोग, मृत्तिका कला, नृत्य और योग के सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। यह कैम्प ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चों को रचनात्मक और शैक्षिक गतिविधियों से जोड़े रखने का प्रयास है। इस दौरान ब्लॉक स्तरीय शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और ग्राम समुदाय के सदस्य भी मौजूद रहे।

सड़क किनारे फोन पर बात कर रहे युवक को ट्रेलर ने मारा धक्का, केस दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद।क्षेत्र के राजेपुर कचगांव मुख्य मार्ग पर बीती रात रोड किनारे बाइक खड़ा कर फोन पर बात कर रहे युवक को एक ट्रेलर ने पीछे से धक्का मार दिया उक्त घटना में युवक का सर फट गया । घायल का इलाज शहर के एक निकली चिकित्सालय में चल रहा है

राजेपुर कचगांव निवासी डबलू सोनकर ने जफराबाद थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बीती रात उसका भाई सोहित सोनकर राजेपुर कजगांव रोड पर जोगीबीर बाबा के पास बाइक किनारे खड़ी कर फोन से बात कर रहा था उसी समय एक ट्रेलर ने पीछे से उसको धक्का मार दिया जिसके चलते उसका सर फट गया चोट ज्यादा होने पर युवक को तुरंत शहर के एक निजी चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह का कहना है कि पीड़ित युवक के भाई की तहरीर पर गाड़ी संख्या के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रेल यात्रियों में वितरण किया गया अमूल छाछ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।स्पष्ट सोच फांउडेशन की निदेशिका बीना गुप्ता एवं उनकी टीम के द्वारा हुई नवीन पहल से चतुर्थ बड़े मंगलवार को पूर्वोतर रेलवे के चारबाग स्टेशन लखनऊ के प्लेटफार्म संख्या 06 एवं प्लेटफार्म

संख्या 02 पर लखनऊ आगरा इंटरसीटी एवं लखनऊ बरौनी के जनरल कोच में जाने वाले यात्रियों को अमूल छाछ का वितरण किया गया इस मानवोचित एवं कल्याणकारी कार्यक्रम का संचालन पूर्वोतर रेलवे लखनऊ के मुख्य वाणिज्य निरीक्षक एवं उनकी समर्पित टीम के द्वारा कुशल नेतृत्व में सम्पंन किया गया ।

दो मेडिकल स्टोर पर जड़ा ताला, तीन को नोटिस

गोरखपुर, (संवाददाता)। सहजनवा तहसील में आने वाले पिपरौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे मेडिकल स्टोर्स पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। सोमवार को नायब तहसीलदार दुर्गेश यादव के नेतृत्व में सीएचसी अधीक्षक डॉ. शिवानंद मिश्र और गीडा पुलिस की संयुक्त टीम ने बसुधा, नंदापार, जैतपुर, नगवा और खानिमपुर अंडरपास क्षेत्रों में जांच के दौरान दो मेडिकल स्टोर को सील किया, जबकि तीन अन्य को नोटिस जारी कर 48 घंटे में दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। शासन को शिकायत मिली कि पिपरौली क्षेत्र में वर्षों से कुछ विदेशी मूल के लोग, विशेष रूप से बांग्लादेश से आए नागरिक, अवैध रूप से चिकित्सीय प्रैक्टिस कर रहे हैं और नकली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पहचान पत्र भी प्राप्त कर चुके हैं। इसको गंभीरता से लेते हुए शासन के निर्देश पर तहसील प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान नगवा में जुगुल विश्वास और नंदापार में विष्णु विश्वास की दुकानों पर ताला डाल दिया गया। दोनों दुकानदार ना तो मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण की प्रति दिखा सके और ना ही क्लीनिक संचालन से जुड़े कोई वैध दस्तावेज ही प्रस्तुत कर पाए। टीम ने ताला लगाकर दुकानों की चाभी अपने पास सुरक्षित रख ली है। इसके अलाव खानिमपुर अंडरपास, जैतपुर और मिलन विश्वास नामक व्यक्ति की दुकान के दस्तावेज अधूरे पाए गए। इन तीनों को नोटिस देकर दो दिन के भीतर सभी वैध दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नायब तहसीलदार दुर्गेश यादव ने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से मेडिकल प्रैक्टिस करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। दो दुकानों को सील किया गया है। तीन को नोटिस दिया गया है। सूत्रों के अनुसार सदर तहसील के सेवई गांव में स्थित एक सामाजिक संगठन ने उत्तर प्रदेश शासन को लिखित शिकायत भेजी थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि बांग्लादेश से आए कुछ लोग पिछले 30 वर्षों से अवैध रूप से चिकित्सा कार्य कर रहे हैं। इन लोगों ने फर्जी तरीके से आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड बनवा लिए हैं और स्थानीय निवासियों के रूप में जमीनी पकड़ भी बना ली है। जिन दुकानों को सील किया गया है, वे बिना किसी लाइसेंस के संचालित की जा रहीं थीं। तीन अन्य दुकानदारों को भी नोटिस जारी किया है। यदि वे निर्धारित समय के भीतर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। गोरखपुर जिले में अवैध रूप से चल रही मेडिकल प्रैक्टिस और बिना पंजीकरण के दुकानों पर विभाग सख्त निगरानी रख रहे हैं। यह अभियान स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर हमारी प्राथमिकता का हिस्सा है। जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

प्रभात फेरी के माध्यम से जन जागरूकता फैलायी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 05 जून 2025 तक चलाये जा रहे पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के निर्देशन में एवं वरिष्ठ मण्डल यात्रिक अभियंता रोहित त्रिपाठी के नेतृत्व में गोण्डा स्टेशन पर पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत यात्रियों, वेंडरों ठेकेदार श्रमिकों, कूलियों एवं रेलकार्मियों को पूर्वोत्तर रेलवे परामर्श दात्री समिति सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव द्वारा मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक जितेन्द्र कुमार शर्मा के संचालन में पर्यावरण संरक्षण हेतु उदबोधन द्वारा न सिर्फ जागरूक किया गया बल्कि प्रभात फेरी के माध्यम से जन जागरूकता फैलायी गयी जिसमे एकल उपयोगी प्लास्टिक के उपयोग को बंद करने, पेड़ लगाने, जल ही जीवन है,।

गोष्ठी का आयोजन कर किसानों को दी गयी जानकारियां

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सिरकोनी विकास खण्ड के तीन ग्राम पंचायतों में मंगलवार को गोष्ठी का आयोजन करके किसानों को अहम जानकारियां दी गयी। विकसित भारत कृषि संकल्प अभियान के तहत इस गोष्ठी का आयोजन हुआ। सरकार के आदेश के क्रम में अगोजुत गोष्ठी में कृषि विभाग,पशुपालन विभाग, को ऑपरेटिव विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने किसानों के साथ गोष्ठी में सीधा संवाद किया।वर्तमान समय मे केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी।किसानों को पीएम किसान निधि,फार्मर रजिस्ट्री,बीज वितरण, रसायनों का छिड़काव, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं के फायदे को बताया गया।किसानों द्वारा इन योजनाओं में जो भी समस्या बतायी उसके तत्काल निस्तारण की जानकारी दी गयी।

गोष्टी में कृषि विज्ञान केन्द्र से डॉ एस के कन्नौजिया, विषय वस्तु विशेषज्ञ तेजबल सिंह,एडीओ एजी आशीष त्रिपाठी, इफको के अनुराग सिंह आदि ने किसानो से वार्ता किया।

बरातियों की बस मैजिक से टकराई

गोरखपुर, (संवाददाता)। बेलीपार थाना क्षेत्र के बगहा वीर बाबा स्थान के समीप बरातियों को लेकर बिहार के मैरवा जा रही बस से मैजिक से टकरा गई। इसके बाद बस गोरखपुर–वाराणसी हाईवे के डिवाइडर की रेलिंग से टकराकर लटक गई।

पति से नाराज होकर राप्ती नदी में छलांग लगाई, बच्चों की याद आई

गोरखपुर, (संवाददाता)। इलाके के कराहकोल पुल से रविवार की देर रात 10 बजे पति से नाराज एक महिला ने राप्ती नदी में छलांग लगा दी। राहगीरों की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ टीम वहां पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी थी, तभी वह महिला खुद ही तैरते हुए नदी के किनारे आ गई। इसे देखकर सभी लोग चौंक गए। महिला बोली कि बच्चों की याद आई, इसलिए मरने का इरादा छोड़कर तैरकर बाहर आ गई। गगहा पुलिस के मुताबिक, गजपुर की महिमा साहनी ने रविवार रात कराहकोल पुल से राप्ती नदी में छलांग लगाई थी। कूदते देख राहगीरों ने डायल 112 पर कॉल कर सूचना दी। एसडीआरएफ की टीम ने कराहकोल पुल के नीचे राप्ती नदी में रात करीब 11 बजे पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। तब तक 11रू30 बजे महिमा खुद ही तैर कर वापस आ गई। महिमा ने पुलिस से पूछताछ में बताया कि घर पर पति से झगड़ा हो गया था, नाराज होकर आत्महत्या करने आई थी। राप्ती नदी में कूदने के बाद परिवार व बच्चों की याद आने लगी, इसलिए तैरकर बाहर आई। महिमा ने बताया कि वह मछुआरे परिवार से है, इसलिए उसे बचपन से ही तैरना आता है। पति से फोन पर बात कर नाराज हुई थी महिला महिमा ने गगहा पुलिस को बताया कि वर्ष 2019 में लालधर साहनी से उसकी शादी हुई थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।